



**DHABRIYA
GROUP**

DHABRIYA POLYWOOD LIMITED

Regd. Office : B-9D(1), Malviya Industrial Area, JAIPUR-302 017 (Raj.) INDIA
Phone : +91-141-4057171, 4040101-105 | Fax : +91-141-2750814
E-mail : info@polywood.org | Website : www.polywood.org

CIN : L29305RJ1992PLC007003

Ref: BSE/2023-24/32

Date: 08.09.2023

To,
The General Manager
Department of Corporate Service
BSE Limited,
P.J. Towers, Dalal Street, Fort,
Mumbai - 400 001

Scrip Code - 538715

Dear Sir/ Madam

Sub: - Newspaper Advertisement – Disclosure under Regulation 30 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (“SEBI Listing Regulations”)

Pursuant to Regulation 30 read with Schedule III Part A of SEBI Listing Regulations, we enclose electronic copies of newspaper advertisement published in Indian Express (English), Business Remedies & Nafa-Nuksan (Hindi), regarding e-voting information for 31st Annual General Meeting of the Company, in compliance with section 108 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 of Companies (Management and Administration) Rules, 2014, as amended and Regulation 44 of SEBI Listing Regulations.

Kindly disseminate the information on the official website of the exchange for the information of all members of the exchange and investors.

Thanking you,
FOR DHABRIYA POLYWOOD LIMITED

SPARSH JAIN
COMPANY SECRETARY & COMPLIANCE OFFICER
M. NO. A36383

बीफ न्यूज़...

कस्टमर अब यूपीआई पर बोलकर कर सकेंगे पेमेंट

मुंबई/पीटीआई। एनपीसीआई ने लोकप्रिय भुगतान मंच यूपीआई पर नए भुगतान विकल्प पेश किए। इनमें बोलकर भुगतान करने की सेवा भी शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट' में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के उत्पाद पेश किए। एक उत्पाद 'हेलो यूपीआई' पेश किया गया, जिसमें ऐप, फोन कॉल और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) उपकरणों के माध्यम से हिंदी और अंग्रेजी में आवाज से यूपीआई भुगतान किया जा सकता है। एनपीसीआई ने कहा कि यूपीआई पर 'क्रेडिट लाइन' सुविधा से ग्राहक को इसके माध्यम से बैंकों से पूर्व-स्वीकृत कर्ज लेने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, उपभोक्ता एक अन्य उत्पाद 'लाइट एक्स' का उपयोग कर रुपये का लेनदेन ऑफलाइन भी कर सकेगा।



अयोध्या में सरयू नदी पर शुरू होगी कूज सर्विस

अयोध्या/एजेंसी। अयोध्या में सरयू नदी पर कूज की सवारी शुक्रवार से शुरू होगी। स्थानीय नगर निगम ने 8 सितंबर से नयाघाट और गुसाराघाट के बीच 'जटायु' कूज सेवा चलाने के लिए एक निजी एजेंसी को हरी झंडी दे दी है। रामायण थीम पर तैयार, जटायु को इस तरह से चित्रित किया गया है, ताकि महाकाव्य के लोकप्रिय प्रसंगों को प्रदर्शित किया जा सके। अयोध्या नगर निगम आयुक्त विशाल सिंह ने कहा कि कूज की सवारी करने वाले यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी सावधानियां बरती गई हैं। सेवा संचालित करने वाली कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कहा कि दोनों घाटों के बीच राउंडट्रिप के लिए 300 रुपये शुल्क लिया जाएगा। पूरी तरह से वातानुकूलित जटायु कूज नाव की क्षमता 100 लोगों की होगी और यह सरयू नदी में शहर के लोकप्रिय घाटों और मंदिरों का भ्रमण कराएगी। सवारी के दौरान सरयू नदी की आरती की जाएगी। यात्रियों को भोजन और नाश्ते का विकल्प दिया जाएगा। जटायु अयोध्या में पहली सेवा होगी, एक प्रीमियम कूज सेवा, 'पुष्पक', इस साल के अंत में शुरू होगी। पुष्पक जहाज बड़ा होगा और इसकी क्षमता 150 यात्रियों की होगी।

पैकेट में एक बिस्कुट कम आईटीसी को देना होगा एक लाख रुपये का मुआवजा

तिरुवेल्लूर (तमिलनाडु)/पीटीआई। यहां के जिला उपभोक्ता मंच ने आईटीसी लिमिटेड खाद्य प्रभाग को अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए एक उपभोक्ता को एक लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता ने यह शिकायत की थी कि कंपनी के बिस्कुट ब्रांड सनफीस्ट मेरी के लाइट के पैकेट में उसे एक बिस्कुट कम मिला था। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम ने अपने हालिया आदेश में कंपनी को "बैच संख्या 0502सी36 में विवादित बिस्कुट सनफीस्ट मेरी लाइट की बिक्री बंद करने का भी निर्देश दिया।" मंच ने कंपनी की इस दलील को खारिज कर दिया कि बिस्कुट के वजन के संबंध में दी गई चुनौती लागू नहीं होगी। शिकायतकर्ता चेन्नई के पी. दिलीबाबू ने आरोप लगाया कि पैकेट पर इस बात का उल्लेख था कि इसमें 16 बिस्कुट हैं। हालांकि, इसमें एक बिस्कुट कम निकला। आदेश में कहा गया है कि पहले (कंपनी के वकील ने यह तर्क दिया कि उत्पाद केवल वजन के आधार पर बेचा गया था, न कि बिस्कुट की संख्या के आधार पर। ऐसे तर्कों को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि रैपर स्पष्ट रूप से खरीदारों को जानकारी प्रदान करता है। उपभोक्ताओं को केवल बिस्कुट की संख्या के आधार पर उत्पाद खरीदना होगा। मौजूदा मामले में सबसे बड़ा आरोप बिस्कुट की कम संख्या को लेकर ही है। इसके बाद उपभोक्ता फोरम ने निर्देश दिया कि कंपनी दिलीबाबू को मुआवजे के रूप में एक लाख रुपये और मुकदमा खर्च के लिए 10,000 रुपये का भुगतान करे।

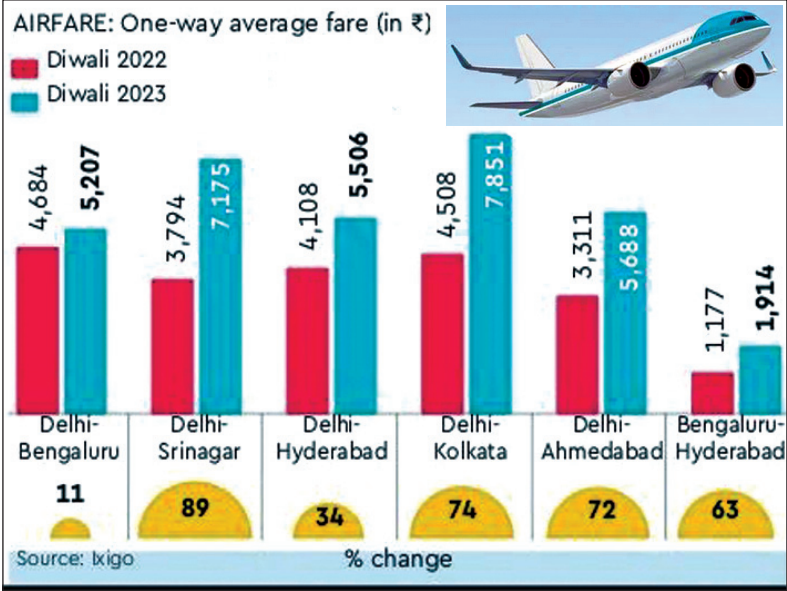
डिमांड ने बढ़ा दिया है दिवाली के लिए एयर फेयर प्राइस

मुम्बई/एजेंसी

ब्लॉकबस्टर समर सीजन के बाद एयरलाइंस कम्पनियां मजबूत दिवाली सीजन की उम्मीद कर रही हैं। जिस प्रकार से ट्रेवलर्स हाई फेयर से बचने के लिए एडवांस बुकिंग कर रहे हैं, उससे लग रहा है कि सीजन बेहतर साबित होगा। गत वर्ष दिवाली समर शेड्यूल में आई थी लेकिन इस बार विंटर शेड्यूल में आ रही है। ऐसे में एडीशनल फ्लाइट्स शामिल हो सकती हैं। फ्यूल कॉस्ट बढ़ने के कारण हवाई किराये बढ़े हुए हैं।

थॉमस कुक इंडिया और एसओटीसी ट्रेवल के प्रेसिडेंट एंड ग्रुप हैड के अनुसार दिवाली सीजन के लिए अभी से डिमांड हाई है। देश के मैट्रो या मिनी मैट्रो शहरों से ही नहीं, टीयर टू और टीयर थ्री सिटी से भी डिमांड बन रही है। समर वैकेशन के अलावा फैस्टिव सीजन दूसरा ऐसा सीजन होता है जबकि ट्रेवलिंग पीक पर जाती है। ऐसे में आखिरी समय के रश और बढ़े हुए किरायों से बचने के लिए फ्लायर्स एडवांस टिकट बुक करते हैं। इस बार गर्मियों के सीजन में मुम्बई से श्रीनगर के लिए वन वे किराया पचास हजार रुपये तक भी रहा था।

थॉमस कुक के अनुसार गत वर्ष की तुलना में इस बार दिवाली पीरियड के लिए मुम्बई, दिल्ली, बैंगलुरु और हैदराबाद से गोवा, चंडीगढ़, जयपुर और कोचीन के लिए एयर फेयर 10 से 25 प्रतिशत बढ़े हुए हैं। टीयर टू और थ्री सिटीज जैसे भुवनेश्वर, इंदौर, लखनऊ और जयपुर के लिए रिटर्न एयर फेयर 5 से 15 प्रतिशत अधिक है। इन



शहरों के वर्किंग प्रोफेशनल्स दिवाली सेलीब्रेट करने के लिए होमटाउन आते हैं, यही कारण है कि एयर ट्रेफिक ज्यादा होता है।

आईजीगो के को-फाउंडर के अनुसार जून और जुलाई लीन सीजन माना जाता है लेकिन इन महिनों में पैसंजर ट्रेफिक 1.24 करोड़ और 1.21 करोड़ रहा है। आगे सीजन में डिमांड और हाई जा सकती है। उनके अनुसार एटीएफ की प्राइस दिसम्बर, 2022 से काफी ज्यादा हाई चल रही है। ऐसे में हवाई किराये काफी ज्यादा चल रहे हैं। एयरलाइन की ऑपरेटिंग कॉस्ट में एटीएफ 40 प्रतिशत के करीब हिस्सेदारी रखता है। एयरलाइंस ने समर सीजन में भी बड़ी नरमाई के साथ पैसंजर्स पर बढ़ा हुए फेयर पासऑन

किया। अक्टूबर मध्य से फेस्टीवल सीजन शुरू हो जायेगा और एयरलाइंस ज्यादा फ्लाइट एड कर सकती है।

एविएशन एक्सपर्ट्स के अनुसार गो फस्ट के 57 एयरक्राफ्ट ग्राउंड होने के कारण भी मार्केट पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में मार्केट लीडर इंडीगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर रिफ्लेसमेंट की तैयारी कर रहे हैं। कितना सफल होंगे यह तो वक्त ही बतायेगा। यह जरूरी है कि एयरलाइन कम्पनियों ने फेस्टीवल सीजन में पैसंजर्स की जेब खाली करने का रूट अवश्य पकड़ लिया है। जिस प्रकार से एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है, उससे तो लग रहा है कि बढ़े हुए फेयर के बावजूद बुकिंग फुल रहेगी।

अरबन इंडियंस गैर-जरूरी खर्चों को लेकर सतर्क



नई दिल्ली/एजेंसी

अधिकांश अरबन इंडियंस (52 प्रतिशत) का दावा है कि उन्हें गत तीन महीनों में अपने मासिक खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। यूगांव के दिवाली खर्च सूचकांक में ये बात कही गई है। मुद्रास्फीति के कारण जीवन यापन की लागत में वृद्धि को इसका सबसे बड़ा कारण बताया गया (39 प्रतिशत ने कहा)। इसके बाद अन्य कारणों से जीवन यापन की लागत में वृद्धि (30 प्रतिशत) हुई है। इससे खर्च करने का व्यवहार प्रभावित हुआ है। लोगों ने आगे कुछ महीनों (32 प्रतिशत) में बड़े खर्चों को स्थगित या रद्द कर दिया है या गैर-आवश्यक वस्तुओं

(31 प्रतिशत) पर खर्च को कम करने या कटौती करने के लिए कदम उठाए हैं। कुछ ने बचत (17 प्रतिशत) का उपयोग किया है, जबकि अन्य ने स्थिति को संभालने के लिए एसे उधार लिए हैं या कर्ज लिया है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि गत वर्ष की तुलना में आय और बचत में इस साल सुधार हुआ है। शहरी भारतीय जीवनयापन की बढ़ती लागत से लड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें इस दौरान गैर-आवश्यक वस्तुओं पर अपने खर्च में कटौती करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। आगामी त्यौहारी सीजन के कारण खुराक विक्रेताओं और ब्रांडों पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव

पड़ सकता है। इस पर टिप्पणी करते हुए यूगांव इंडिया की महाप्रबंधक दीपा भाटिया ने कहा कि जैसा कि आंकड़ों से पता चलता है, जीवनयापन की बढ़ती लागत का इस त्यौहारी सीजन में खर्च पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। उपभोक्ताओं के सतर्क रहने के साथ, ब्रांडों और विपणक को ऑफर और पैसे के मूल्य के प्रस्तावों के (वैल्यू फॉर मनी) माध्यम से सामर्थ्य पर जोर देना होगा। उपभोक्ता भावनाओं की समझ उन्हें बेहतर ढंग से संवाद करने और अपने लक्षित दर्शकों की अपेक्षाओं को प्रबंधित करने में सक्षम बनाएगी।

ब्रांड आगामी त्यौहारी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। यूगांव के दिवाली खर्च सूचकांक से शहरी भारतीयों के बीच 96.43 की खर्च करने की प्रवृत्ति का पता चलता है। 2020 से यूगांव का दिवाली खर्च सूचकांक दिवाली सीजन के दौरान उपभोक्ताओं की खर्च करने की प्रवृत्ति पर नजर रख रहा है। इस वर्ष का डेटा गत वर्ष (2022 में 94.45) की तुलना में खर्च करने की प्रवृत्ति में मामूली वृद्धि दर्शाता है, जो उपभोक्ताओं के बीच कुछ इसी तरह के उत्साह को दर्शाता है।

बेस्ट ऑफ गुजरात हैरिटेज



ट्यूर पैकेज और नाइट स्टे बेस्ट ऑफ गुजरात यहीं पर होगा। हैरिटेज पैकेज ऑफर छोटे दिन ब्रेकफास्ट के बाद रहा है। पैकेज दस लोथाल की विजिट दिन का है। पहले होगी। इसके बाद दिन अहमदाबाद के भावनगर के लिए अराइवल होगा। डिपाचर रहेगा। रिप्रेजेंटेटिव सिधे भावनगर पहुंचकर होटल होटल लेकर जायेगा। चैकइन करेंगे। रात्री प्रवास

होटल चैकइन के बाद पूरे दिन अपनी एक्टिविटीज की जा सकती है। ओवरनाइट स्टे अहमदाबाद में ही होगा। दूसरे दिन ब्रेकफास्ट के बाद कालीकी म्यूजियम ऑफ टेक्साइल्स की विजिट होगी। यह म्यूजियम कपड़ों को समर्पित है। इसके बाद सरखेज मांसलम कॉम्प्लेक्स, विशाला विलेज कॉम्प्लेक्स की विजिट होगी। रात्री प्रवास अहमदाबाद में ही होगा। तीसरे दिन ब्रेकफास्ट के बाद अहमदाबाद से जमबुगोडा जायेंगे। अराइवल पर होटल चैकइन के बाद जमबुगोडा वाल्डलैलाइफ सेंचूरी में सफारी की जा सकती है। शाम को पास के गांव की सैर की जा सकती है। नाइट स्टे होटल में होगा। चौथे दिन ब्रेकफास्ट के बाद छोटा उदयपुर के लिए निकलेंगे। इसे पहले रेवा कांठा के नाम से जाना जाता था। यहां पर रंग-बिरंगे ट्राइबल गांव हैं। स्थानीय लोगों की ट्रेडीशनल लाइफस्टाइल को यहां पर नजदीक से देखा जा सकता है। रात्री प्रवास के लिए वापस जमबुगोडा आ जायेंगे।

पांचवे दिन ब्रेकफास्ट के बाद उठेला के लिए डिपाचर होगा। रास्ते में चम्बानेर की विजिट शामिल की गई है। यह गुजरात की क्रोनोलॉजिकल सिटी है। यह यूनेस्को वर्ल्ड हैरिटेज साइट है। यहां पर कई आर्किटेक्चरल मॉन्यूमेंट्स हैं। शाम तक हम उठेला पहुंच जायेंगे। होटल चैकइन करेंगे

नवे दिन ब्रेकफास्ट के बाद गोंडल से वानकानेर जायेंगे। यह पूर्व रॉयल स्टेट है। रास्ते में वाटसन म्यूजियम देखने जायेंगे। यह गुजरात का सबसे बड़ा म्यूजियम है। इसके बाद वानकानेर के लिए जायेंगे। पहुंचकर होटल चैकइन होगा। बाद में वानकानेर पैलेस म्यूजियम देखने जायेंगे। पास के गांव की विजिट भी की जायेगी। नाइट स्टे वानकानेर होटल में होगा। 10वे दिन ब्रेकफास्ट के बाद वानकानेर से अहमदाबाद के लिए डिपाचर होगा। यहां पर होमटाउन के लिए डिपाचर फ्लाइट लेंगे। अधिक जानकारी के लिए ट्यूर माय इंडिया की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

टावरिया पॉलीवुड लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय:- B-9 D(1), मालवीया औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302017
दूरभाष:- +91-141-4057171, फैक्स:- +91-141-2750814 (CIN: L29305RJ1992PLC007003)
ई-मेल आई डी:- cs@polywood.org, वेबसाइट:- www.polywood.org

31वीं वार्षिक आम बैठक ई-वोटिंग सुविधा और पुस्तक बंद करने की सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी की 31वीं वार्षिक साधारण सभा ("एजीएम") शनिवार, सितम्बर 30, 2023 को प्रातः 11:00 बजे, IST से वीडियो कॉन्फ्रेंस ("वीसी")/अन ऑनलाइन माध्यमों ("ऑनलाइन") की सुविधा के माध्यम से कम्पनी अधिनियम, 2013 तथा उसके अंतर्गत निर्मित नियमों तथा सेवाओं (सूचीबद्ध दायित्वों तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के साथ कॉर्पोरेट कार्य संहितायुक्त द्वारा जारी सर्वरूप/पी/2021/ 8 अप्रैल 2020, 17/2020 तिथि 13 अप्रैल 2020, 20/2020 तिथि 5 मई 2020, 22/2020 तिथि 15 जून 2020, 33/2020 तिथि 28 सितम्बर 2020, 39/2020 तिथि 31 दिसंबर 2020 10/2021 तिथि 23 जून 2021, 20/2021 तिथि 08 दिसंबर 2021, तथा 03/2022, तिथि 5 मई 2022 तथा भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा जारी सर्वरूप/सीएफओ/सीएमबी2/सीआईआर/पी/2022/ 62 तिथि 13 मई 2022, सेवाएचओ/सीएफडी/सीएमबी2/सीआईआर/पी/2021/ 11 तिथि 15 जनवरी 2021 तथा सेवाएचओ/सीएफडी/सीएमबी2/सीआईआर/पी/2020/ 79 तिथि 12 मई 2020, के अनुसार लागू होने वाले प्राधान्य के अनुपालन में, किसी स्थान पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना आमोति की गई है।

एससीएम सर्वरूप/अथवा सेवा सर्वरूप के अनुसार, 31वीं एजीएम की सूचना, 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के अंकेतिष्ठ वित्तीय विवरणों सहित 2022-2023 की की वार्षिक रिपोर्ट ("वार्षिक रिपोर्ट") उन सभी सदस्यों को ईमेल के द्वारा भेज दी गई है जिनके ईमेल पते कम्पनी के पास या उनके सर्वरूप/डिजिटल पोर्टल/पैस के पास पंजीकृत है। एजीएम की सूचना तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 की वार्षिक विवरण के प्रेषण कार्य को सितम्बर 08, 2023 को पूरा कर लिया गया है। उन्नीसवीं वार्षिक कम्पनी की वेबसाइट www.polywood.org वीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com तथा सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की वेबसाइट www.evotingindia.com पर भी उपलब्ध है।

कम्पनी अधिनियम 2013, की धारा 91 तथा नियम और सेवा (सूचीबद्ध दायित्व एवं आवश्यक उद्घोषणा) विनियम 2015 के विनियम 42 के अनुसार कम्पनी के सदस्यों के रजिस्टर तथा अंश हस्तांतरण, सोमवार सितम्बर 25, 2023 से, शनिवार सितम्बर 30, 2023 (दोनों दिन शामिल) तक अंतिम लाभार्थी और वार्षिक आम बैठक के भुगतान के लिए बंद होगा। बोर्ड द्वारा अनुशासित अंतिम लाभार्थी, यदि एजीएम में घोषित किया जाता है, तो उन शेयरधारकों को भुगतान किया जाएगा जिनका नाम रजिस्टर, 23 सितंबर 2023 को डिपॉजिटरी द्वारा बनाए गए सदस्यों/लाभार्थी खातों में रजिस्टर में दर्ज है।

सिधे बैंक खाते में लाभार्थी प्राप्त करने में देरी से बचने के लिए सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित डिपॉजिटरी पोर्टल/पैस के साथ अपने बैंक विवरण और केवाईसी को अपडेट करें, जहां शेयर डिमेटरियलाइन्ड मोड में रखे गए हैं। कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 108 के प्रावधानों तथा कम्पनी (प्रबंध और प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 तथा सूचीबद्ध और सेवा (सूचीबद्ध दायित्व एवं आवश्यक उद्घोषणा) विनियम 2015, के विनियम 44 के प्रवृत्ति प्रभावों प्रत्येक सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली (रिमोट ई-वोटिंग) के माध्यम से एजीएम में पारित होने वाले प्रस्तावित प्रस्तावों पर इलेक्ट्रॉनिक मतदान करने की सुविधाएं प्रदान कर रही है। कम्पनी ने इलेक्ट्रॉनिक ई-वोटिंग सुविधा प्रदान करने के लिये सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) की नियुक्त किया है।

रिमोट ई-वोटिंग बुधवार, सितम्बर 27, 2023 को प्रातः 9:00 बजे आरम्भ होगी तथा शुक्रवार, सितम्बर 29, 2023 को सांय 5:00 बजे समाप्त होगी। रिमोट ई-वोटिंग की अनुमति इस तिथि और समय के बाद प्रदान नहीं की जायेगी। एजीएम में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान करने के लिये पात्रता निर्धारण हेतु कट ऑफ तिथि सितम्बर 23, 2023 है। रिमोट ई-वोटिंग के विस्तृत दिशा-निर्देश एजीएम की सूचना के नोट नम्बर 24 में दी गई हैं।

ऐसे सदस्य जिनकी 31वीं एजीएम से पूर्व रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना मतदान कर दिया हो वे सभी सदस्यगण 31वीं एजीएम में वीसी/ऑनलाइन के माध्यम से भाग ले सकते हैं, लेकिन 31वीं एजीएम से मतदान करने का अधिकार नहीं होगा; कोई भी व्यक्ति जिसने शेयरों का अधिग्रहण किया है और एजीएम की सूचना के प्रेषण के बाद और कट-ऑफ तिथि से पहले कंपनी का सदस्य बन गया है। वह एजीएम की सूचना में उल्लिखित प्रक्रिया का पालन करने चाहिए और एजीएम की तिथि पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से या तो रिमोट ई-वोटिंग या ई-वोटिंग प्रणाली द्वारा अपने वोट का प्रयोग करने का हक्कर होगा।

एतद्वारा के लिये सदस्यगण www.evotingindia.com के सहजता खंड में Frequently asked questions (FAQs) तथा ई-वोटिंग मैन्युअल पर देख सकते हैं अथवा helpdesk.evoting@cdslindia.com पर ई-मेल कर सकते हैं। अथवा 1800 22 55 33 पर सम्पर्क कर सकते हैं। अथवा कम्पनी सचिव श्रीमान सूर्य जैन, B-9 D(1) मालवीया औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर-302017, दूरभाष नं. 0141-4057171, ई-मेल आईडी:-cs@polywood.org पर सम्पर्क कर सकते हैं।

श्रीमान मनीष संचेली, प्रकटिसिंग कम्पनी सचिव, (FCS7972, CP8997) को उचित रूप तथा पारदर्शिता से ई-वोटिंग प्रक्रिया को जीने के लिए संवीक्षक (Scrutiniser) के तौर पर नियुक्ति किया गया है। रिमोट ई-वोटिंग के नतीजे की घोषणा मंगलवार, 03 अक्टूबर 2023 को अथवा उससे पूर्व की जायेगी। संवीक्षक की रिपोर्ट के साथ घोषित परिणाम कम्पनी की वेबसाइट www.polywood.org और सीडीएसएल की वेबसाइट www.cdslindia.com पर उपलब्ध होगा और इसे स्टॉक एक्सचेंज (BSE Limited) को भी सूचित किया जाएगा, जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं।

कृते टावरिया पॉलीवुड लिमिटेड के लिए
हस्ता/-
सूर्य जैन
कम्पनी सचिव
सदस्यता नंबर : एसीएम 36383

इंटरनेशनल ट्यूरिस्ट अराइवल्स हुए दोगुना



2023 में 'ब्लैशियोर' ट्रिप भी ट्रेंड में रहे। इसके तहत डेलीगेट्स ने बिजनेस ट्रिप को लीजर कारणों से एक्सटेंड किया

नई दिल्ली/एजेंसी

वित्तीय वर्ष 2023 की पहली छमाही में इंटरनेशनल ट्यूरिस्ट अराइवल्स 106 प्रतिशत बढ़े हैं। प्री-कोविड लेवल की तुलना में यह केवल 17 प्रतिशत कम है। इसका मतलब यह हुआ कि इनबाउंड ट्यूरिज्म प्री-कोविड स्तर के पास पहुंच

रहा है। एक्सपर्ट्स के अनुसार चालू वर्ष में हम प्री-कोविड स्तर के पास हो सकते हैं। ट्यूरिज्म मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष की तुलना में फॉरिन एक्सचेंज अर्निंग 46 प्रतिशत अधिक है। प्री-कोविड की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। जनवरी-जून, 2023 के बीच फॉरिन ट्यूरिस्ट अराइवल्स 43,80,239 रहे जबकि गत वर्ष समान अवधि में यह 21,24,118 रहे थे। जनवरी-जून, 2019 में यह 52,96,025 थे। डेटा के अनुसार अधिकांश ट्रेवलर्स बंगलादेश से आये यानि उनका योगदान 23.5 प्रतिशत रहा। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया का नम्बर रहा। अधिकांश ट्रेवलर्स लीजर या रीकिएशनल एक्टिविटीज के लिए भारत आये।

2023-24 में डोमेस्टिक एयर पैसंजर्स की संख्या बढ़ेगी 8-13 प्रतिशत

मुंबई। डोमेस्टिक एयर पैसंजर्स की संख्या में चालू वित्त वर्ष (2023-24) में आठ से 13 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इससे एविएशन इंडस्ट्री के घाटे की कुछ भरपाई हो सकेगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा की जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन में निरंतर सुधार और कंपनियों की मूल्य निर्धारण शक्ति में सुधार के बीच इक्रा ने भी उद्योग पर 'स्थिर दृष्टिकोण' बनाए रखा। इक्रा ने अनुमान बताया कि बीते वित्त वर्ष में तेजी से सुधार के बाद घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या चालू वित्त वर्ष में 8-13 प्रतिशत की दर से बढ़कर 15-15.5 करोड़ तक पहुंच सकती है। कोविड

पेंडेमिक से पहले वित्त वर्ष 2019-20 में यह आंकड़ा 14.1 करोड़ यात्रियों का था। एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों के दौरान घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 6.32 करोड़ रही, जो सालाना आधार पर गत वित्त वर्ष के समान समय के 5.26 करोड़ से 20 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं कोविड महामारी से पहले वित्त वर्ष 2019-20 के पहले पांच महीनों के 5.89 करोड़ से यह आंकड़ा सात प्रतिशत ज्यादा है। भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या गत वित्त वर्ष 2022-23 में कोविड-पूर्व स्तर को पार कर चुकी है। हालांकि, यह 2018-19 के 2.59 करोड़ यात्रियों के उच्चस्तर के आंकड़े से अब भी पीछे है।

11 प्रतिशत एमआईसीडी (मीटिंग्स, इंसेंटिव्स, कॉन्फ्रेंसेज एंड एक्जीक्यूटिव्स) और 6.5 प्रतिशत मेडिकल ट्यूरिज्म के लिए आए। जी 20 के कारण भी हजारों डेलीगेट्स विभिन्न देशों से भारत आये हैं। 2023 में 'ब्लैशियोर' ट्रिप भी ट्रेंड में रहे। इसके तहत डेलीगेट्स ने बिजनेस ट्रिप को लीजर कारणों से एक्सटेंड किया। ऐसे में हॉस्पीटैलिटी

इंडस्ट्री के लिए अवसर बढ़े। जून, 2023 में 18,737 करोड़ रुपये की फॉरिन एक्सचेंज अर्निंग रही जबकि जून, 2022 में यह 16,592 करोड़ रुपये रही थी। डेटा के अनुसार इनबाउंड ट्रेवलर्स में 41.8 प्रतिशत महिला ट्रेवलर्स थीं। रेग्योन अडारा डेटा के अनुसार सोलो ट्रेवलर्स की संख्या बढ़ने का ट्रेंड नजर आया है।

